प्रकाशनार्थ

विशेष व्याख्यान: शहरी पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करना: जमीनी स्तर के ओज़ोन के प्रभावों को कम करने के लिए एक स्थायी दृष्टिकोण।

पटना, 16 **सितंबर।** विश्व ओजोन दिवस, 2021 के अवसर पर जमीनी स्तर के ओज़ोन की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए **शहरी पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करना: जमीनी स्तर के ओज़ोन के प्रभावों को कम करने के लिए एक स्थायी दृष्टिकोण** विषय पर आद्री स्थित सेंटर फॉर इनवायरन्मेंट इनर्जी एण्ड क्लाइमेट चेंज, (भारत सरकार का एक एनविस रिसोर्स पार्टनर) एवं पटना वीमेन्स कॉलेज द्वारा संयुक्त रूप से एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश कैडर से भारतीय वन सेवा के सेवानिवृत्त सदस्य डॉ. उमाशंकर सिंह और श्री मधुकर स्वयंभू, उपाध्यक्ष, सामुदायिक मित्रता आंदोलन (सीएफएम) नई दिल्ली द्वारा व्याख्यान दिया गया।

डॉ. सिंह ने स्तरीय ओज़ोन के समसामयिक मुद्दों और शहरी परिवेश में स्थायी पर्यावरण के लिए वन पारिस्थितिकी तंत्र की भूमिका पर श्रोताओं का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियरों के पिघलने, वनों के घटते आवरण, भारतीय उपमहाद्वीप के आसपास के वनस्पति-जीवों के संख्या घनत्व की परिस्थिति पर प्रकाश डाला।

वहीं श्री स्वयंभू ने जलवायु परिवर्तन और ओज़ोन के प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए शहरी पारिस्थितिकी तंत्र जैसे पृथ्वी, पानी और हरित आवरण को बहाल करने के महत्व की ओर इशारा किया। उन्होंने शहरी स्थिरता को बरकरार रखने के लिए प्राकृतिक पारिस्थितिकी को बहाल करने और आर्द्रभूमि और जल निकायों में देशी पारिस्थितिकी के पुनरुत्थान के महत्व को एक ऐतिहासिक कदम के रूप में उजागर किया।

आद्री के प्रोफेसर प्रभात पी घोष ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने अपने सम्बोधन में ओज़ोन परत की कमी के कारण ग्लोबल वार्मिंग के प्रतिकूल प्रभाव से लड़ने के लिए 1987 के मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल में वैश्विक प्रतिबद्धता की ओर सभी का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने विभिन्न हितधारकों, विशेष रूप से देशों की सरकारों द्वारा जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई के लिए वातावरण से अनुमानित 135 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर उत्सर्जन को रोकने और उन जैसे स्रोतों से आने वाले 99 प्रतिशत ओज़ोन क्षयकारी रसायनों जैसे रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर और कई अन्य उत्पाद को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के सामूहिक कार्यों की सराहना की।

इस कार्यक्रम में पटना वीमेन्स कॉलेज की डॉ. सिस्टर मारिया रश्मी एसी और डॉ शाहला यास्मीन तथा सेंटर फॉर इनवायरन्मेंट इनर्जी एण्ड क्लाइमेट चेंज, आद्री के डिप्टी डायरेक्टर श्री विवेक तेजस्वी संग देबरूपा घोष और विशाल अहिरे उपस्थित थे।

(अंजनी कुमार वर्मा)